वार्षिक रिपोर्ट

1997–1998

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

इन्द्रपस्थ एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली – 110002

44वीं
वार्षिक रिपोर्ट
1997–98

23 अक्टूबर, 1998 को सामान्य सभा
की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत

कार्यकारी परिषद

संरक्षक

डा. के. आर. नारायणन, भारत के राष्ट्रपति

सभापति

श्री कृष्णकांत, भारत के उपराष्ट्रपति

अध्यक्ष

श्री एस. बी. चव्हाण, भूतपूर्व केन्द्रीय गृह मंत्री

उप सभापति

डा. पी. सी. ऐलैक्जैंडर
प्रो. एम. वी. माथुर
श्री टी. एन. चतुर्वेदी
श्री वी. सुब्रामण्यन

अवैतनिक कोषाध्यक्ष,

श्री जी. सी. एल. जुनेजा

सदस्य

श्री वीरन्ना एवल्ली
प्रो. मोहित भट्टाचार्य
प्रो. (श्रीमती) नूरजहाँ बावा
प्रो. (डा.) पी. चन्द्रशेखरन
डा. के. चोक्कालिंगम
श्री आर. एन. हल्दीपुर
श्री एन. जयरामन
श्री टी. एन. कपूर
डा. बृज भूषण खरे
श्री के. मलयस्वामी
श्री बी. सी. माथुर
प्रो. पी. जी. मावलंकर
श्री एन. के. पांडा
डा. एस. पी. वर्मा
श्री एस. रामानाथन
डा. अगराला ईश्वर रेड्डी
प्रो. के. एस. आर. एन. सर्मा
प्रो. (श्रीमती) एस. सरोजा
डा. (श्रीमती) वाई. शण्मुखसुन्दरम
प्रो. वी. शण्मुखसुन्दरम
श्री श्याम सुन्दर सिंघानिया
डा. जे. के. पी. सिन्हा
डा. एस. सुब्रामण्यन
डा. हर स्वरूप
श्री टी. के. थनिक्काचलम
प्रो. आर. एन. ठाकुर
प्रो. आर. के. तिवारी

सचिव, केन्द्रीय कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

सचिव, शिक्षा विभाग, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय

सचिव, ग्रामीण रोजगार तथा गरीबी निवारण विभाग, केंन्द्रीय ग्रामीण क्षेत्र तथा रोजगार मंत्रालय

निदेशक एवं सदस्य सचिव

श्री एम. सी. गुप्ता

अप्पा कार्यक्रम के निदेशक, शोध तथा परामर्श, प्रशिक्षण एवं कंप्यूटर केन्द्र के संयोजक, प्रकरण–अध्ययन कार्यक्रम के परियोजना–निदेशक, एक निर्वाचित संकाय सदस्य, इसके सदस्य होते हैं । समिति की बैठकों में पंजीयक, पुस्तकालयाध्यक्ष और संयुक्त संपादक विशेष आमंत्रित सदस्य होते हैं ।

कमेटी की वर्ष में तीन बैठकें हुईं । जिन मुद्दों पर विचार–विमर्श हुआ वे शैक्षिक गतिविधियों जैसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, शोध परियोजनाओं आदि की योजनाओं से संबंधित थे । योजना एवं परामर्श समिति के गठन का ब्यौरा परिशिष्ठ III में दिया गया है ।

शैक्षिक केन्द्र में संकाय के वे सदस्य होते हैं जिनकी संबंधित केन्द्र के विषय में रूचि, अनुभव तथा विशेषज्ञता हो । केन्द्रों की बैठकें समय–समय पर इन उद्देश्यों के लिए होती है ।

ख. 6 राष्ट्रीय आपदा केन्द्र

केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के समर्थन से मार्च, 1995 में स्थापित राष्ट्रीय आपदा प्रबंध केन्द्र प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राष्ट्रीय, राज्य तथा जिला स्तर पर प्रशासन को बढ़ावा देने के अलावा तत्संबधी विभिन्न शोध तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तालमेल बढ़ाता है । केन्द्र प्राकृतिक आपदाओं पर व्यापक आंकड़ा आधार तैयार कर रहा है और इस हेतु कई प्रकरण अध्ययनों का सहारा ले रहा है । आपदा प्रबंधन में लगे विभिन्न शैक्षिक संस्थानों तथा गैर सरकारी संगठनों से तालमेल बिठाकर इस क्षेत्र में एक समेकित तंत्र का विकास कर रहा है । उत्तर प्रदेश, हरियाणा, असम, तमिलनाडु, उड़ीसा, महाराष्ट्र आदि की आपदा प्रबंधन की राज्य स्तरीय अकादमियों को भी एन. सी. डी. एम. उनके प्रशिक्षण एवं शोध कार्यक्रमों में सहायता कर रहा है ।

गतिविधियां

(1) शोध

केन्द्र ने वर्ष 1997–98 में निम्नलिखित प्रकरण अध्ययन संचालित किए :

(क) बाढ़ आपदा प्रबंधन : हरियाणा की बाढ़ का प्रकरण अध्ययन
(ख) आंध्रप्रदेश चक्रवात आपदा : मनोवैज्ञानिक सामजिक मुद्दे
(ग) उत्तरकाशी भूंकप आपदा : मनोवैज्ञानिक सामाजिक मुद्दे
(घ) आंध्रप्रदेश चक्रवात के संबंध में आपत कार्यवाई का समानान्तर आकलन

(2) दस्तावेजीकरण

50